पंडित लीलापत शर्मा जी का संक्षिप्त जीवन दर्शन एवं उनके द्वारा रचित पुस्तकों के टाइटल (लिंक्स के साथ)

पाठकों से निवेदन है कि यदि कोई लिंक *Clickable* न हो तो उसे कॉपी पेस्ट करना उचित होगा। धन्यवाद्
पुस्तक को डाउनलोड करने पर सारे लिंक काम करने लगेंगें

पंडित लीलापत शर्मा जी के व्यक्तित्व एवं गुरुभक्ति पर ऑनलाइन ज्ञानरथ गायत्री परिवार के मंच से अनेकों लेख प्रकाशित किये गए हैं। हमारे पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के "हनुमानरुपी भक्त" की सरल लेखनी ने हमें इतना प्रभावित किया की हम बार-बार उनकी रचनाओं का अमृतपान करने को प्रेरित होते हैं यां यूँ कहें कि बार-बार गुरुसत्ता द्वारा उनको कोई न कोई रचना हमारे हाथ में थमा दी जाती है। यही कारण है कि यहाँ दिए गए अधिकतर लिंक्स हमारी वेबसाइट (***https://life2health.org***)के ही हैं।
हमारा कहाँ इतना सामर्थ्य कि हम स्वयं अपने बलबूते पर इस महान आत्मा के बारे में कुछ भी लिखने का साहस कर सकें। यह सब ऊपर से ही निर्देश होता है।
आज 6 नवंबर 2025 से हम शर्मा जी की दिव्य रचना "युगऋषि का अध्यात्म-युगऋषि की वाणी में" पर आधारित एक लेख श्रृंखला का शुभारम्भ कर रहे हैं। पाठकों को अनुरोध करते हैं कि आने वाले सभी लेखों एवं अन्य दिव्य साहित्य के अमृतपान के लिए, हमारे यूट्यूब चैनल के कम्युनिटी सेक्शन (नीचे दिए गए लिंक) को विजिट करें क्योंकि सभी लेख इंटरनेट आर्काइव पर पोस्ट करना उचित नहीं है।

https://www.youtube.com/@trikha48DrArunTrikha

परिचय:

पंडित लीलापत शर्मा जी एक समर्पित आध्यात्मिक कार्यकर्ता एवं लेखाकार थे, जिन्होंने गायत्री तपोभूमि, मथुरा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। *ऑनलाइन ज्ञानरथ गायत्री परिवार+2*
वे मुख्य रूप से परमपूज्य श्रीराम शर्मा आचार्य (गुरुदेव) की शिष्य-परंपरा में रहकर कार्यरत रहे। *ऑनलाइन ज्ञानरथ गायत्री परिवार+1*

जीवन-यात्रा एवं संघर्ष:

उनका जन्म राजस्थान के एक साधारण ब्राह्मण परिवार में, भरतपुर नगर में हुआ था। भरतपुर पुराने समय में राज्य हुआ करता था। *ऑनलाइन ज्ञानरथ गायत्री परिवार+1*

बहुत ही कम आयु में उन्होंने अपनी माता और पिता दोनों को खो दिया। ऑनलाइन ज्ञानरथ गायत्री परिवार

कठिन परिस्थितियों में उन्होंने काम कर-करके अपना मार्ग तैयार किया,नौकरी की, छोटे-मोटे व्यवसाय किए। *ऑनलाइन ज्ञानरथ गायत्री परिवार+1*

बाद में उन्होंने 1967 में मथुरा स्थित गायत्री तपोभूमि में आकर पूरा समर्पण कर लिया। *ऑनलाइन ज्ञानरथ गायत्री परिवार+1*

कार्य एवं योगदान:

उन्होंने गुरुदेव की दीक्षा ग्रहण की और “काम करो, ईमानदार रहो, स्वयं को सुधारते रहो” जैसी मूल बातें अपने जीवन में उतारीं। *ऑनलाइन ज्ञानरथ गायत्री परिवार*

तपोभूमि मथुरा में उन्हें व्यवस्थापक का पद मिला और उन्होंने वहाँ बड़े स्तर पर शैक्षणिक, प्रकाशन-कार्य एवं संस्थागत विकास में भाग लिया। *ऑनलाइन ज्ञानरथ गायत्री परिवार*

उन्होंने गुरुदेव द्वारा लिखे गए पत्रों को संकलित किया,विशेष रूप से उनका “पत्र पाथेय” नामक संग्रह जिसमें 1961–67 की अवधि के 89 पत्र शामिल हैं,अति लोकप्रिय रहा। *ऑनलाइन ज्ञानरथ गायत्री परिवार*

उन्होंने यह स्वीकार किया था कि वे “हनुमान की भाँति” गुरुदेव के सेवक हैं। *ऑनलाइन ज्ञानरथ गायत्री परिवार*

व्यक्तित्व एवं दर्शन:

पंडित जी का मानना था कि श्रम में कभी शर्म नहीं होनी चाहिए, ईमानदारी सर्वोत्तम नीति है, और निरंतर स्वयं-सुधार से ही प्रगति संभव है। *ऑनलाइन ज्ञानरथ गायत्री परिवार*

उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा में रहकर सामाजिक-आध्यात्मिक सेवा को जीवनधारा बनाया।

उन्होंने अपने निजी दुःख-सुख को अपने समर्पित पथ के बीच नहीं आने दिया जैसे बच्चों के सहकर्म, स्वास्थ्य चुनौतियाँ आदि। *ऑनलाइन ज्ञानरथ गायत्री परिवार*

महाप्रयाण:

पंडित लीलापत शर्मा जी का देहांत 14 मई 2002 को हुआ था। *Facebook+1*

उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि के रूप में उनकी कर्मभूमि तथा उनके योगदान को याद किया जाता है। *ऑनलाइन ज्ञानरथ गायत्री परिवार*

महत्व एवं प्रेरणा:

वह आज भी उन लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं जो सामाजिक-आध्यात्मिक सेवा में रुचि रखते हैं।
उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि असाधारण परिस्थितियों के बावजूद भी समर्पण, श्रम और संयम से बड़े कार्य किए जा सकते हैं।

उनके द्वारा किया गया लेखन-प्रकाशन कार्य और संस्था-निर्माण आज भी चल रहा है और उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं।

****

पुस्तकों के शीर्षक एवं लिंक्स

1.पत्र पाथेय (Patra Pathey / पत्र-पाथेय) — गुरुदेव द्वारा लिखे गए पत्रों का संकलन / पंडित जी के साथ जुड़े पत्रों का संग्रह। *ऑनलाइन ज्ञानरथ गायत्री परिवार+1*

2.प्रज्ञावतार (Pragyavatar) / प्रज्ञावतार का कथामृत / प्रज्ञावतार हमारे गुरुदेव — छोटी पुस्तिका / गीत-संग्रह / अमृतपान से संबंधित प्रकाशन (हिन्दी)। vicharkrantibooks.org+1

3.युगऋषि का अध्यात्म — युगऋषि की वाणी में (Yugrishi Ka Adhyatm / Spirituality of Yug Rishi) — हिन्दी; (scan/Archive पर उपलब्ध)। archive.org+1

4.पूज्य गुरुदेव के मार्मिक संस्मरण (Hindi title seen in listings / podcasts & YouTube excerpts — पुस्तक/पॉडकास्ट के रूप में)। *YouTube+1*

5.प्रज्ञावतार का कथामृत (scan / पुस्तिका रूप में — संक्षेप/18 पृष्ठ का संस्करण का जिक्र) — (कुछ साइटों पर Small booklet / scan का जिक्र है)। *ऑनलाइन ज्ञानरथ गायत्री परिवार+1*

6.**GURUDEV — PROPHET OF A NEW ERA** — अंग्रेजी; (गुरुदेव पर लेख/संस्मरण)। *exoticindiaart.com+1*

7.**Revered Gurudev** (Some Touching Reminiscences) — अंग्रेजी; संस्मरण/अनुभव। *vicharkrantibooks.org+1*

8.**Sajal Shraddha** — गुजराती (शीर्षक: Sajal Shraddha). *exoticindiaart.com*

9.**Param Pujya Gurudev's Sarcastic Memoirs** — गुजराती (शीर्षक सूची में मिलता है)। *exoticindiaart.com*

10.**Yagya Pita Gayatri Mata** — गुजराती; (Yagya-related)। *exoticindiaart.com*

11. कर्मकांड क्यों और कैसे- https://www.awgp.org/en/literature/book/Karmakand_Kyon_Aur_Kaise/v1

****